VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ऑल इंडिया इंटरएक्टिव

समाजशास्त्र

टेस्ट सीरीज 2025

प्रारंभ 5 जनवरी

8 टेस्ट | 4 सेक्शन वाइज + 4 फुल लेंथ

अहमदाबाद | बेंगलूरु | भोपाल | चंडीगढ़ | दिल्ली | गुवाहाटी | हैदराबाद | जयपुर | जोधपुर | लखनऊ | प्रयागराज | पुणे | राँची

ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज

Vision IAS की मुख्य विशेषता है। प्रत्येक वर्ष हजारों छात्र अपने अंकों में सुधार के लिए **इनोवेटिव असेसमेंट सिस्टम™** पर आधारित Vision IAS टेस्ट सीरीज का लाभ उठाते हैं। हम टेस्ट सीरीज को बहुत ही गंभीरता से लेते हैं।

दृष्टिकोण और रणनीति:

हमारा सरल, व्यावहारिक और केंद्रित दृष्टिकोण अभ्यर्थियों को UPSC परीक्षा की मांग को प्रभावी ढंग से समझने में मदद करेगा। हमारी रणनीति निरंतर नवाचार करना है ताकि तैयारी प्रक्रिया को गतिशील बनाए रखा जा सके और मुख्य सक्षमता, समय व संसाधन की उपलब्धता तथा सिविल सेवा परीक्षा की आवश्यकता जैसे कारकों के आधार पर अलग-अलग अभ्यर्थियों पर व्यक्तिगत ध्यान दिया जा सके। हमारा इंटरएक्टिव लर्निंग दृष्टिकोण (अभ्यर्थी विशेषज्ञों से ईमेल / टेलीफोनिक माध्यम से परामर्श ले सकते हैं) अभ्यर्थियों के प्रदर्शन को लगातार बेहतर बनाएगा और उनकी तैयारी को सही दिशा प्रदान करने में सहायक होगा।

अभ्यर्थियों के अनुकूल:

हम अपने अभ्यर्थियों को व्यक्तिगत शेड्यूलिंग की सुविधा भी देते हैं। वे अपनी परीक्षा की अध्ययन योजना के आधार पर अपनी परीक्षाएं पुनः शेड्यूल कर सकते हैं। इसके अलावा, अभ्यर्थी हमारे किसी भी केंद्र पर आकर परीक्षा दे सकते हैं या अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी स्थान पर परीक्षा दे सकते हैं, और मूल्यांकन के लिए अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन की गई प्रतियां अपलोड कर सकते हैं।

मॉक टेस्ट की संख्या:	मॉड्यूल संख्या:	फी स्ट्रक्चर: कुल पाठ्यक्रम फीस (सभी करों सहित)
8	2618	रु. 9000
प्रकृति:	**अभ्यर्थियों के अनुकूल - मॉक टेस्ट की तिथि:** अभ्यर्थियों की मांग पर पुनर्निर्धारित की जा सकती है। **(अभ्यर्थी टेस्ट की निर्धारित तिथि के बाद भी टेस्ट दे सकते हैं, परंतु टेस्ट की तिथि से पूर्व नहीं दे सकते हैं)** अभ्यर्थी Vision IAS के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से टेस्ट पेपर और अध्ययन सामग्री डाउनलोड कर सकते हैं।	

इस टेस्ट सीरीज में अभ्यर्थियों को क्या उपलब्ध कराया जाएगा:

- अभ्यर्थियों के प्रदर्शन विश्लेषण **(इनोवेटिव असेसमेंट प्रणाली)** के लिए लॉगिन आईडी और पासवर्ड
- **समेकित प्रश्न पत्र-सह-उत्तर पुस्तिका (8 मॉक टेस्ट: PDF फाइल्स)**
- विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका जिसमें उचित फीडबैक, टिप्पणियां और मार्गदर्शन प्रदान किए जाएंगे।
- मॉक टेस्ट पेपर का उत्तर प्रारूप (संक्षिप्तसार)
- मॉक टेस्ट पेपर का विश्लेषण प्रश्नों की कठिनाई के स्तर और प्रकृति के आधार पर किया जाएगा।
- अन्य आवश्यक अध्ययन सामग्री

शुल्क में छूट संबंधी विवरण			
विजन IAS के अभ्यर्थियों के लिए	विजन IAS के क्लासरूम प्रोग्राम अभ्यर्थियों के लिए	UPSC साक्षात्कार में सम्मिलित हुए अभ्यर्थियों के लिए	चयनित अभ्यर्थियों के लिए
25%	50%	40%	50%

इनोवेटिव असेसमेंट सिस्टम:

मॉक टेस्ट पेपर्स की स्टैटिक और डायनामिक क्षमता (स्कोरिंग पोटेंशियल) का मूल्यांकन, अभ्यर्थियों के मैक्रो और माइक्रो प्रदर्शन का विश्लेषण, अनुभागवार (सेक्शन वाइज) विश्लेषण, कठिनाई स्तर का विश्लेषण, ऑल इंडिया रैंक, टॉपर्स के साथ तुलना, भौगोलिक विश्लेषण, एकीकृत स्कोर कार्ड, कठिनाई स्तर और प्रश्नों की प्रकृति इत्यादि के आधार पर मॉक टेस्ट पेपर्स का विश्लेषण।

नोट

- ऑनलाइन/दूरस्थ शिक्षा प्राप्त कर रहे अभ्यर्थी Vision IAS ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से प्रश्न-सह उत्तर पुस्तिका और मॉक टेस्ट पेपरों का उत्तर विश्लेषण (अप्रोच आंसर) डाउनलोड कर सकते हैं।
- प्रश्न-सह उत्तर पुस्तिका, मॉक टेस्ट पेपर का उत्तर विश्लेषण (अप्रोच आंसर) नहीं भेजा जाएगा।
- अन्य आवश्यक सामग्री/संदर्भ सामग्री/सहायक सामग्री केवल पीडीएफ प्रारूप में प्रदान की जाएगी और उसे भेजा नहीं जाएगा।
- टेस्ट परिचर्चा से संबंधित जानकारी अभ्यर्थियों के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के होम पेज पर दी जाएगी।

DISCLAIMER

- Vision IAS अध्ययन सामग्री केवल व्यक्तिगत उपयोग के लिए है। यदि कोई अभ्यर्थी Vision IAS अध्ययन सामग्री के कॉपीराइट के किसी भी उल्लंघन में संलिप्त पाया जाता है, तो ऐसी स्थिति में अभ्यर्थी का टेस्ट सीरीज में प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा।
- अभ्यर्थी को UPSC रोल नंबर और अन्य विवरण **registration@visionias.in** पर उपलब्ध कराने होंगे।
- हमारे पास **नकद में शुल्क भुगतान** की **कोई सुविधा नहीं है।**
- एक बार भुगतान किया गया शुल्क किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं किया जाएगा और न ही हस्तांतरित किया जाएगा।
- VISION IAS प्रवेश से संबंधित सभी अधिकार सुरक्षित रखता है।
- VISION IAS को अधिकार है कि यदि आवश्यक हो, तो वह टेस्ट सीरीज के शेड्यूल/टेस्ट लेखन के दिन और समय इत्यादि में कोई भी बदलाव कर सकेगा।
- **Vision IAS के परीक्षा केंद्र बृहस्पतिवार को टेस्ट लेखन के लिए बंद रहेंगे।**

शेड्यूल, विषयवस्तु और संदर्भ स्रोत

टेस्ट संख्या (टेस्ट Code)	तिथि	सम्मिलित टॉपिक	मुख्य (आवश्यक) संदर्भ स्रोत	सहायक (अतिरिक्त) संदर्भ स्रोत
टेस्ट 1 [3342]	**5 जनवरी, 2025**	**समाजशास्त्री चिंतक:** » कार्ल मार्क्स-ऐतिहासिक भौतिकवाद, उत्पादन विधि, वि-संबंधन, वर्ग संघर्ष। » इमाईल दुखीम- श्रम विभाजन, सामाजिक तथ्य, आत्महत्या, धर्म एवं समाज। » मैक्स वेबर- सामाजिक क्रिया, आदर्श प्रारूप, सत्ता, अधिकारीतंत्र, प्रोटेस्टेंट नीतिशास्त्र और पूंजीवाद की भावना। » तालकॉट पार्सन्स- सामाजिक व्यवस्था, प्रतिरूप परिवर्ती। » राबर्ट के मर्टन- अव्यक्त तथा अभिव्यक्त प्रकार्य अनुरूपता एवं विसामान्यता संदर्भ समूह। » मीड- आत्म एवं तादात्म्य। **स्तरीकरण एवं गतिशीलता:** » संकल्पनाएँ- समानता, असमानता, अधिक्रम, अपवर्जन, गरीबी एवं वंचन। » सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धांत- संरचनात्मक प्रकार्यवादी सिद्धांत, मार्क्सवादी सिद्धांत वेबर का सिद्धांत। » आयाम- वर्ग, स्थिति समूहों, लिंग, नृजातीयता एवं प्रजाति का सामाजिक स्तरीकरण। » सामाजिक गतिशीलता- खुली एवं बंद व्यवस्थाएँ गतिशीलता के प्रकार, गतिशीलता के स्रोत एवं कारण। **राजनीति एवं समाज:** » सत्ता के समाजशास्त्रीय सिद्धांत। » सत्ता प्रव्रजन, अधिकारीतंत्र, दबाव समूह, राजनैतिक दल। » राष्ट्र, राज्य, नागरिकता, लोकतंत्र, सिविल समाज, विचारधारा। » विरोध, आंदोलन, सामाजिक आंदोलन, सामूहिक क्रिया, क्रांति। **धर्म एवं समाज:** » धर्म के समाजशास्त्रीय सिद्धांत। » धार्मिक क्रम के प्रकार- जीववाद, एकतत्त्ववाद बहुतत्त्ववाद, पंथ, उपासना, पद्धतियां। » आधुनिक समाज में धर्म, धर्म एवं विज्ञान, धर्म निरपेक्षीकरण, धार्मिक पुनः प्रवर्तनवाद, मूलतत्त्ववाद।	» **IGNOU B.A. Material** » **राजनीती सिद्धांत की रूपरेखा: ओ.पी.गौबा**	» सामाजिक विचार : आर. एन. मुखर्जी

टेस्ट 2 [3343]	**2 फ़रवरी, 2025**	**समाजशास्त्र : विद्याशाखा:**
		- यूरोप में आधुनिकता एवं सामाजिक परिवर्तन तथा समाजशास्त्र का अविर्भाव।
		- समाजशास्त्र का विषय-क्षेत्र एवं अन्य सामाजिक विज्ञानों से इसकी तुलना।
		- समाजशास्त्र एवं सामान्य बोध।
		समाजशास्त्र विज्ञान के रूप में:
		- विज्ञान, वैज्ञानिक पद्धति एवं समीक्षा।
		- अनुसंधान क्रिया विधि के प्रमुख सैद्धांतिक तत्व।
		- प्रत्यक्षवाद एवं इसकी समीक्षा।
		- तथ्य, मूल्य एवं उद्देश्यपरकता।
		- अ-प्रत्यक्षवादी क्रियाविधियां।
		अनुसंधान पद्धतियां एवं विश्लेषण:
		- गुणात्मक एवं मात्रात्मक पद्धतियां।
		- दत्त संग्रहण की तकनीक।
		- परिवर्त, प्रतिचयन, प्राक्कल्पना, विश्वसनीयता एवं वैधता।
		कार्य एवं आर्थिक जीवन:
		- विभिन्न प्रकार के समाजों में कार्य का सामाजिक संगठन-दास समाज, सामंती समाज, औद्योगिक/पूंजीवादी समाज।
		- कार्य का औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठन।
		- श्रम एवं समाज।
		नातेदारी की व्यवस्थाएं:
		- परिवार, गृहस्थी, विवाह
		- परिवार के प्रकार एवं रूप
		- वंश एवं वंशानुक्रम
		- पितृतंत्र एवं श्रम का लिंगाधारिक विभाजन
		  - समसामयिक प्रवृत्तियां
		आधुनिक समाज में सामाजिक परिवर्तन:
		- सामाजिक परिवर्तन के समाजशास्त्रीय सिद्धांत
		- विकास एवं पराश्रितता
		- सामाजिक परिवर्तन के कारक
		- शिक्षा एवं सामाजिक परिवर्तन
		- विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक परिवर्तन
			- **IGNOU B.A. ESO- 11**
			- **IGNOU B.A. ESO- 13**
			  - IGNOU M.A. MSO -002	

टेस्ट 3 [3344]	**2 मार्च, 2025**	**(क) भारतीय समाज का परिचय :**
		- **भारतीय समाज के अध्ययन के परिप्रेक्ष्य**
		  - भारतीय विद्या (जी एस धुर्ये)
		  - संरचनात्मक प्रकार्यवाद (एम. एन. श्रीनिवास)
		  - मार्क्सवादी समाजशास्त्र (ए.आर. देसाई)
		- **भारतीय समाज पर औपनिवेशिक शासन का प्रभाव:**
		  - भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि
		  - भारतीय परंपरा का आधुनिकीकरण
		  - औपनिवेशिककाल के दौरान विरोध एवं आंदोलन
		  - सामाजिक सुधार
			- **भारतीय समाजशास्त्रीय चिन्तन: बी.के. नागला, भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि: ए.आर. देसाई (चयनित अध्याय)**
			- **भारतीय परंपरा का आधुनिकीकरण: योगेन्द्र सिंह** (चयनित अध्याय)
			- **ग्रामीण समाजशास्त्र: दोशी और जैन** (चयनित अध्याय)
			  - IGNOU M.A. MSO-004
			- **भारतीय सामाजिक व्यवस्था -राम आहूजा**
			- **IGNOU B.A. ESO-14**
				- **सोशल एंथ्रोपोलॉजी : डी. एन. मजूमदार**
				- **फैमिली, मैरिज एंड किन्शिप: पेट्रीसिया ओबेरॉय**

		(ख) सामाजिक संरचना: » **ग्रामीण एवं कृषिक सामाजिक संरचना:** » भारतीय ग्राम का विचार एवं ग्राम अध्ययन। » कृषिक सामाजिक संरचना- पट्टेदारी प्रणाली का विकास, भूमिसुधार। » जाति व्यवस्था **(ग) सामाजिक संरचना:** » **जाति व्यवस्था:** » जाति व्यवस्था के अध्ययन के परिप्रेक्ष्य (जीएस धुर्ये, एम.एन. श्रीनिवास, लुईदयूमां, आंद्रे बेतेय) » जाति व्यवस्था के अभिलक्षण » अस्पृश्यता-रूप एवं परिप्रेक्ष्य » **भारत में जनजातीय समुदाय:** » परिभाषीय समस्याएं » भौगोलिक विस्तार » औपनिवेशिक नीतियां एवं जनजातियां » एकीकरण एवं स्वायत्ता के मुद्दे » **भारत में सामाजिक वर्ग:** » कृषिक वर्ग संरचना » औद्योगिक वर्ग संरचना » भारत में मध्यम वर्ग » **भारत में नातेदारी की व्यवस्थाएं:** » भारत में वंश एवं वंशानुक्रम » नातेदारी व्यवस्थाओं के प्रकार » भारत में परिवार एवं विवाह » परिवार घरेलू आयाम » पितृतंत्र, हकदारी एवं श्रम का लिंगाधारित विभाजन » **धर्म एवं समाज:** » भारत में धार्मिक समुदाय » धार्मिक अल्पसंख्यकों की समस्याएं	» **भारतीय समाज और संस्कृति: नदीम हसनैन** (चयनित अध्याय) » IGNOU B.A. ESO-12	
टेस्ट 4 [3345]	**30 मार्च, 2025**	**(क) भारत में सामाजिक परिवर्तन:** » **भारत में सामाजिक परिवर्तन की दृष्टियां:** » विकास आयोजना एवं मिश्रित अर्थव्यवस्था का विचार » संविधान, विधि एवं सामाजिक परिवर्तन » शिक्षा एवं सामाजिक परिवर्तन » **भारत में ग्रामीण एवं कृषिक रूपांतरण:** » ग्रामीण विकास कार्यक्रम, समुदाय विकास कार्यक्रम, सहकारी संस्थाएं, गरीबी उन्मूलन योजनाएं » हरित क्रांति एवं सामाजिक परिवर्तन » भारतीय कृषि में उत्पादन की बदलती विधियां » ग्रामीण मज़दूर, बंधुआ एवं प्रवासन	» **सोशल चेंज इन इंडिया: योगेन्द्र सिंह** (चयनित अध्याय) » **भारतीय समाज और संस्कृति: नदीम हसनैन** (चयनित अध्याय) » **ग्रामीण समाजशास्त्र: दोशी और जैन** » **भारतीय समाज और संस्कृति: नदीम हसनैन** (चयनित अध्याय) » **सामाजिक समस्याएं: राम आहूजा (चयनित अध्याय)** » **IGNOU M.A. MSOE -004.** » **IGNOU M.A. MSO-004.**	» **ग्रामीण समाजशास्त्र: दोशी और जैन**

		की समस्याएं **भारत में औद्योगिकीकरण एवं नगरीकरण:** भारत में औद्योगिकीकरण एवं नगरीकरण भारत में आधुनिक उद्योग का विकास भारत में नगरीय बस्तियों की वृद्धि श्रमिक वर्ग: संरचना, वृद्धि, वर्ग संघटन अनौपचारिक क्षेत्रक, बालश्रमिक नगरी क्षेत्र में गंदी बस्ती एवं वंचन **राजनीति एवं समाज** राष्ट्र, लोकतंत्र एवं नागरिकता राजनैतिक दल, दबाव समूह, सामाजिक एवं राजनैतिक प्रव्रजन क्षेत्रीयतावाद एवं सत्ता का विकेंद्रीकरण धर्म निरपेक्षीकरण **आधुनिक भारत में सामाजिक आंदोलन** कृषक एवं किसान आंदोलन महिला आंदोलन पिछड़ा वर्ग एवं दलित वर्ग आंदोलन **जनसंख्या गतिकी** जनसंख्या आकार, वृद्धि संघटन एवं वितरण जनसंख्या वृद्धि के घटक जन्म, मृत्यु, प्रवासन जनसंख्या नीति एवं परिवार नियोजन उभरते हुए मुद्दे: काल प्रभावन, लिंग अनुपात, बाल एवं शिशु मृत्यु दर, जनन स्वास्थ्य। **सामाजिक रूपांतरण की चुनौतियां** विकास का संकट: विस्थापन, पर्यावरणीय समस्याएं एवं संपोषणीयता गरीबी, वंचन एवं असमानताएं स्त्रियों के प्रति हिंसा जाति द्वंद्व नृजातीय द्वंद्व, सांप्रदायिकता, धार्मिक पुनः प्रवर्तनवाद असाक्षरता तथा शिक्षा में समानताएं	**भारत में राजनीति : पॉल ब्रास** (चयनित अध्याय) समकालीन भारत: चंद्रहोक और प्रियदर्शी (चयनित अध्याय) **भारत में सामाजिक आंदोलन: घनश्याम शाह** (चयनित अध्याय) **जनसंख्या अध्ययन के सिद्धांत: भिडे और कानिटकर** (चयनित अध्याय) **IGNOU B.A. ESO-16** भारतीय समाज में महिलाएं: नीरा देसाई (चयनित अध्याय) भारतीय सामाजिक व्यवस्था: राम आहूजा (चयनित अध्याय) IGNOU B.A. ESO-16 सामाजिक समस्याएं: राम आहूजा (चयनित अध्याय)	
टेस्ट 5 [3346]	**22 जून, 2025**	**समाजशास्त्र प्रश्न पत्र I का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट)**		
टेस्ट 6 [3347]	**6 जुलाई, 2025**	**समाजशास्त्र प्रश्न पत्र II का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट)**		
टेस्ट 7 [3348]	**20 जुलाई, 2025**	**समाजशास्त्र प्रश्न पत्र I का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट)**		
टेस्ट 8 [3349]	**3 अगस्त, 2025**	**समाजशास्त्र प्रश्न पत्र II का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट)**		

फोकस:

उत्तर लेखन कौशल का विकास, उत्तर की संरचना एवं प्रस्तुतिकरण, उत्तर में तथ्यों, जानकारी और ज्ञान को प्रस्तुत करने के तरीके, विभिन्न प्रकार के प्रश्नों में UPSC की वास्तविक मांग (जैसे कि - की वर्ड्स, कॉन्टेक्स्ट और कंटेंट) को समझना तथा अच्छे अंक प्राप्त करने हेतु (रणनीति एवं दृष्टिकोण) प्रश्नों को कैसे अटेम्प्ट किया जाना चाहिए, अपनी वर्तमान तैयारी और आवश्यक कार्य योजनाओं को समझना तथा वास्तविक UPSC परीक्षा के पैटर्न, कठिनाई और समय-सीमा को समझने के लिए अपने मन को तैयार करना।

धारणा या दर्शन:

UPSC मुख्य परीक्षा का पैटर्न बहुत ही डायनामिक और अप्रत्याशित है। इसलिए मॉक टेस्ट पेपर UPSC के नवीनतम पैटर्न के आधार पर तैयार किए जाने चाहिए।

UPSC मानदंड:

UPSC निर्देशों के अनुसार लिखित आईएएस परीक्षा में अभ्यर्थी के प्रदर्शन के आकलन के लिए मानदंड: "मुख्य परीक्षा का उद्देश्य केवल अभ्यर्थियों की जानकारी और याद रखने की बजाय उनकी समग्र बौद्धिक विशेषताओं और समझ की गहराई का आकलन करना है।" **-संघ लोक सेवा आयोग (UPSC)**

कार्यप्रणाली:

उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन की कार्यप्रणाली: हमारे विशेषज्ञ UPSC के क्षेत्र में अपने अनुभव का उपयोग करते हुए निम्नलिखित संकेतकों पर अभ्यर्थी की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन करेंगे।

मूल्यांकन संकेतक
1. संदर्भ संबंधी क्षमता
2. विषय-वस्तु संबंधी क्षमता
3. भाषा संबंधी क्षमता
4. भूमिका संबंधी क्षमता
5. संरचना - प्रस्तुतिकरण संबंधी क्षमता
6. निष्कर्ष संबंधी क्षमता
अंक

स्कोर: स्केल: 1- 5:

5	4	3	2	1
अति उत्कृष्ट	उत्कृष्ट	अच्छा	औसत	खराब

- प्रश्नों की प्रकृति और विशेषज्ञ के UPSC अनुभव के आधार पर प्रत्येक मूल्यांकन संकेतक के भारांश पर उचित विचार के बाद प्रश्न में कुल अंक प्रदान किए जाते हैं।
- किसी भी प्रश्न के लिए प्रत्येक संकेतक का स्कोर अभ्यर्थी के योग्यता संबंधी प्रदर्शन (प्रश्न की गुणवत्ता के स्तर और आवश्यक कार्य योजनाओं को समझने के लिए) को उजागर करेगा।

डिज़ाइन की गई निम्नलिखित क्षमताओं की मूलभूत समझ:

प्रसंग संबंधी क्षमता:

- प्रश्न की मुख्य मांग/विषयवस्तु को समझना अर्थात प्रश्न के संदर्भ की व्यापक समझ विकसित करना। साथ ही, प्रश्न में प्रयोग किए गए 'की वर्ड्स' और 'टेल वर्ड्स' पर ध्यान केंद्रित करके उत्तर को सुव्यवस्थित करना। टेल वर्ड्स जैसे स्पष्ट कीजिए, व्याख्या कीजिए, टिप्पणी कीजिए, परिक्षण कीजिए, समालोचनात्मक परिक्षण कीजिए, चर्चा कीजिए, विश्लेषण कीजिए, समझाइए, समीक्षा कीजिए, तर्क प्रस्तुत कीजिए, औचित्य सिद्ध कीजिए आदि।

विषय-वस्तु संबंधी क्षमता:

- प्रश्न के प्रसंग संबंधी समझ और प्रवाह के अनुसार उत्तर लिखना तथा तदनुसार उदाहरणों, तथ्यों, आंकड़ों, तर्कों, आलोचनात्मक विश्लेषण आदि के माध्यम से उसे प्रमाणित करना।

भाषा संबंधी क्षमता:

- उचित वाक्य निर्माण और सरल अभिव्यक्ति में विषय-वस्तु को व्यवस्थित करना।
- शब्द सीमा बनाए रखने और प्रश्न को समय पर पूरा करने के लिए तकनीकी शब्दों का उचित और सही उपयोग करना।

भूमिका संबंधी क्षमता:

- पृष्ठभूमि, डेटा, संबंधित समसामयिक समाचार आदि देकर उत्तर को आरंभ करने के लिए प्रभावी और प्रासंगिक शुरुआत की आवश्यकता है।

संरचना - प्रस्तुतिकरण संबंधी क्षमता:

- उत्तर में अपेक्षित कनेक्टिविटी और प्रवाह बनाए रखने के लिए प्रश्न के विभिन्न भागों के अनुसार सामग्री को व्यवस्थित करना।
- उत्तर सामग्री को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए हैडिंग और सब-हैडिंग, बुलेट पॉइंट्स, फ्लोचार्ट, आरेख आदि का उपयोग करना।

निष्कर्ष संबंधी क्षमता:

- आगे की राह, नवीन समाधान सुझाते हुए, विभिन्न विचारों/परिप्रेक्ष्यों को संतुलित तरीके से शामिल करते हुए, निष्कर्ष सहित उत्तर को समाप्त करना।

Heartiest Congratulations

to all Successful Candidates

1 AIR

Aditya Srivastava

79 in TOP 100 Selections inCSE 2023 from various programs oVision IAS

2 AIR

Animesh Pradhan

5 AIR

Ruhani

6 AIR

Srishti Dabas

7 AIR

Anmol Rathore

9 AIR

Nausheen

10 AIR

Aishwaryam Prajapati

हिंदी माध्यम में 35+ चयन CSE 2023 में

= हिंदी माध्यम टॉपर =

53 AIR

मोहन लाल

136 AIR

अर्पित कुमार

238 AIR

विपिन दुबे

257 AIR

मनीषा धार्वे

313 AIR

मयंक दुबे

517 AIR

देवेश पाराशर

39 Selections in TOP 50 in CSE 2022

1 AIR

Ishita Kishore

2 AIR

Garima Lohia

3 AIR

Uma Harathi N

DELHI

HEAD OFFICE
Apsara Arcade, 1/8-B 1st Floor, Near Gate-6 Karol Bagh Metro Station

MUKHERJEE NAGAR CENTER
Plot No. 857, Ground Floor, Mukherjee Nagar, Opposite Punjab & Sindh Bank, Mukherjee Nagar

GTB NAGAR CENTER
Classroom & Enquiry Office, above Gate No. 2, GTB Nagar Metro Building, Delhi - 110009

FOR DETAILED ENQUIRY
Please Call:
+91 8468022022,
+91 9019066066

enquiry@visionias.in /c/VisionIASdelhi /visionias.upsc /vision _ias VisionIAS_UPSC

अहमदाबाद बैंगलोर भोपाल चंडीगढ़ गुवाहाटी हैदराबाद जयपुर जोधपुर लखनऊ प्रयागराज पुणे राँची